>

Title: Need to remove reported anomalies in the recommendations of Sixth Pay Commission causing severe resentment among personnels of Armed Forces in the country.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार): अध्यक्ष महोदय, देश में छठे वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करने की चर्चा चल रही है और उसकी समीक्षा हो रही है। ये सिफारिशें इतनी असंतुलित हैं कि आईएएस संवर्ग को छोड़ कर बाकी सभी संवर्गों के लोग चाहे आईपीएस हों या अन्य लोग हों, खासकर सेना के लोग काफी मर्माहत हैं। रक्षा मंत्रालय की संयुक्त संसदीय स्थाई समिति की रिपोर्ट में भी स्पष्ट कहा गया है कि सेना के अधिकारी और कर्मचारी इस्तीफा तक देने के लिए मजबूर हो रहे हैं। इन सिफारिशों से इतना असंतुलन है कि कोई भी संवर्ग संतुष्ट नहीं है। अगर इन असंतुलित सिफारिशों को लागू किया जाएगा तो हम समझते हैं कि देश में...* की स्थिति पैदा हो जाएगी।

MR. SPEAKER: Hope not. Do not refer to that.

...(*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह : मैं दो मिनट में अपनी बात समाप्त कर दूंगा।

अध्यक्ष महोदय: यह आर्मी के लिए जो कहा गया है, वह शब्द डिलीट कर दिया जाए। Do not give those ideas to Army.

...(*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह : मैंने कोई असंसदीय शब्द तो नहीं कहा है।

अध्यक्ष महोदय: कभी-कभी कोई बात हमारी भी मान लें।

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, हम तो आपकी सारी बातें मानते हैं।

MR. SPEAKER: Delete that word.

श्री प्रभुनाथ सिंह : आईपीएस संवर्ग के लोगों में भी इस वेतन आयोग की रिपोर्ट को लेकर काफी गुस्सा और आक्रोश है। अगर इस असंतुलन को दूर नहीं किया गया तो कोई अच्छा शगुन हमें दिखाई नहीं दे रहा है। मैं सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि इस रिपोर्ट को संतुलित करने के लिए वह उचित कदम उठाए। मेरा यह भी कहना है कि जब भी किसी समिति का गठन किया जाता है तो उसमें आएएस लोगों

---

* Not recorded.

को सचिव या अन्य पदों पर बिठा दिया जाता है। वे लोग अपने हित में उस समिति की रिपोर्ट में सिफारिशें करवा लेते हैं, जिससे उनका तो हित हो जाता है, दूसरों का अहित होता है। मैं चाहूंगा कि इस मसले पर संसद की एक समिति बनाई जाए, जो इस रिपोर्ट की सिफारिशों की समीक्षा करे। उसके बाद इन सिफारिशों को संतुलित बनाकर लागू किया जाए ताकि किसी भी वर्ग में असंतोष न हो।